



मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

माह : अगस्त 2026



संकलन - मिशन शिक्षण संवाद बाल साहित्य सृजन टीम

1

चन्द्रशेखर आजाद

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,
अभूतपूर्व क्रांतिकारी।
चंद्रशेखर आजाद थे,
अमिट युवा बलिदानी॥

मध्यप्रदेश 1906 में,
जन्मे चंद्रशेखर आजाद।
सन 1931 प्रयागराज में,
देश के लिए हुए बलिदान॥

रचना- सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्रा० वि० टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

2

रामप्रसाद बिस्मिल

माँ भारती के वीर सपूत,
अमर रहे बिस्मिल का नाम।
स्वाधीनता की ज्योति बनकर,
किया देश का ऊँचा मान॥

हे भारत के अमर शहीद!
शत-शत तुम्हें हमारा प्रणाम।
जब तक गंगा-यमुना बहेगी,
अमर रहेगा तुम्हारा नाम॥

रचना- सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उच्च प्रा० वि० खजनी
रुद्रपुर, गोरखपुर

3

सुखदेव

भगत सिंह का साथी,
राजगुरु संग मिलकर चला।
आजादी की राह में,
सबकुछ न्यौछावर किया॥

नही माँगी दया,
नही मांगा कोई वरदान।
भारत माता की शान में,
दिया सुखदेव ने बलिदान॥

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

4

भगतसिंह

महान वीर क्रांतिकारी,
आजादी की फैलायी चिंगारी।
महान स्वतंत्रता सेनानी,
भारती को आजादी दिलायी॥

जन्मे 27 सितम्बर 1907 को,
शहीद हुए 23 मार्च 1931 को।
दिया इंकलाब जिंदाबाद का नारा,
असेम्बली में था बम डाला॥

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

03.08.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

मंगल पाण्डेय

नाम मंगल पाण्डेय जिनका,
बलिया जिला जन्मस्थान।
पहले स्वतन्त्रता सेनानी,
दिया देश के लिए बलिदान।।

अंग्रेजी सेना में सिपाही,
किन्तु देश से बहुत था प्यार।
छुड़ा दिए छक्के गोरों के,
कारतूस के लिए की तकरार।।



2

शहीद भगतसिंह

पंजाब का लाल भगतसिंह,
बन्दूकें बोता था बचपन में।
भारत माँ की आजादी का,
सपना देखते थे स्वप्न में।।

असेम्बली में बम फेंका,
अंग्रेजों को हिला दिया।
शहीद-ए-आजम उपनाम मिला,
सोते भारत को जगा दिया।।



रचना

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



रचना

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



3

सुभाष चन्द्र बोस

प्रमुख स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी,
इनसे जुड़ी आजादी की कहानी।
सुभाष चन्द्र नाम इनमें एक,
जिनका आजादी में नाम विशेष।।

इन्होंने की वीरों की खोज,
जापान में बनायी आजाद हिन्द फौज।
इनका नारा बहुत था खास,
किया जाता है आज भी याद।।



4

चन्द्रशेखर आज़ाद

भारत माँ के वीर लाइले,
अद्भुत थे जिनके सब काम।
जान सखती थी अंग्रेजों की,
सुनकर वीर 'आजाद' का नाम।।

प्रजातान्त्रिक सोशलिस्ट पार्टी,
का गठन उन्होंने कर डाला।
भारत माता के लिये स्वयं का,
नमो निशाँ मिटा डाला।।



रचना

सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



रचना

बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



1

मंगल पांडेय

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में,
मंगल पांडेय ने जन्म लिया था॥
आजादी के लड़ाई के नायकों में,
महत्वपूर्ण योगदान दिया था॥



अंग्रेजी आदेशों के खिलाफ आपने,
अधिकारियों पर हमला किया,
अंग्रेजों ने इन्हें गिरफ्तार करके,
मृत्यु-दण्ड सजा दिया॥

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



2

रानी लक्ष्मीबाई

बुन्देलखण्ड की रानी,
लक्ष्मीबाई नहीं कभी हारी।
पुरुषों की भाँति लड़ी युद्ध में,
नहीं परतन्त्रता स्वीकारी॥



अंग्रेजों से युद्ध किया,
बिना मद की थी अगुवाई।
जीते जी झाँसी नहीं दिया,
ऐसी वीरांगना लक्ष्मीबाई॥

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



3

तांत्या टोपे

महाराष्ट्र के नासिक जिले में,
तांत्या टोपे ने जन्म लिया॥
वीरता और शौर्य से उपनाम,
'बुन्देलखण्ड का शेर' दिया॥



क्रान्ति की चिंगारी फैलाई,
विदेशी सत्ता झकझोर दिया॥
अपने त्याग और बलिदान से,
गौरवशाली इतिहास लिखा॥

रचना-

उमा ठाकुर(इ०प्रा०अ०)
प्रा० वि०-राजपुर
मथुरा, मथुरा



4

झलकारी बाई

झाँसी की शेरनी जिसका,
नाम रहा झलकारी।
बातों में मिठास थी लेकिन,
कर में कठिन दुधारी॥



बैरी की सेना के आगे,
पर्वत जैसी अड गयीं।
रानी की रक्षा के खातिर,
खुद ही रानी बन गयीं॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



1

अशफाक उल्ला खां

शाहजहांपुर की धरती का लाल,
अशफाक उल्ला खान था नाम।
महान देशभक्त, स्वतन्त्रता सेनानी,
देश के लिए दी थी उसने कुर्बानी।।



काकोरी कांड में भूमिका निभाई,
अंग्रेजों को अच्छे से धूल चटाई।
हँसते हुए फाँसी पर चढ़ गया,
इतिहास के पन्नों में नाम कर गया।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



2

सुभाष चंद्र बोस

23 जनवरी 1897 में जन्मा,
उड़ीसा के कटक शहर में।
आजाद हिंद फौज का गठन,
किया था देश आजाद कराने में।।



तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा,
का प्रसिद्ध नारा लगाया।
महान, साहसी स्वतंत्रता सेनानी,
सुभाष चंद्र बोस कहलाया।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

राज गुरु

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के,
प्रमुख क्रांतिकारी राजगुरु थे।
साथी ये भगतसिंह व सुखदेव के,
एक अच्छे निशानेबाज भी यह थे।।



लाला लाजपत राय की,
मौत का बदला इन्होंने लिया।
साण्डर्स की हत्या इन्होंने कर,
देश को अपना जीवन अर्पित किया।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

बटुकेश्वर दत्त

20 जुलाई को जन्मे,
बटुकेश्वर दत्त महान।
क्रांतिकारी नेता जिनकी,
भगत के संग होता जयगान।।



असेम्बली में बम फेंक कर,
अंग्रेजों का किया खुला विरोध,
हम ना भूलें इनकी देशभक्ति,
जिन्होंने भरा अंग्रेजों में क्रोध।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

06/08/2026

गुरुवार

बाल साहित्य सृजन

1

ऊधम सिंह

26 दिसम्बर को रूद्रपुर में,
भारत माँ का सपूत जन्मा।
देश हो जाये आजाद अपना,
आँखों में बसा था ये सपना।।



जलियाँवाला बाग के दोषी,
जनरल का काम किया तमाम।
अपने प्राण न्योछावर करके,
इतिहास में लिखा अपना नाम।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

प्यारे बापू

हमारे प्यारे बापू
बापू जी थे सीधे-सादे,
मन में उनके सपने प्यारे।
सच की राह पर चलते थे,
सबको मिलकर रहना कहते॥



हाथ में चरखा, मन में प्यार,
देश से करते थे वे प्यार।
उनसे हम यह सीखें आज,
सच्चाई रखे देश का मान॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

शिवराम राजगुरु

भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु,
थे स्वतन्त्रता सेनानी ये।
लाला का बदला लेने को,
सॉन्डर्स को मारा, थे वीर ये।।



तेईस मार्च उन्नीस सौ इकतीस,
दिन था काली रात समान।
फाँसी हुई इन्हीं तीनों को,
भये शहीद बसुधा सन्तान।।

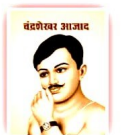
जुगल किशोर त्रिपाठी (शिक्षिमित्र)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी (उ० प्रा०)



4

चन्द्रशेखर आजाद

23 जुलाई सन् 1906 जन्में,
पं० सीताराम तिवारी जी के घर में।
माँ जगरानी देवी के, पुत्र चंद्रशेखर,
निशानेबाजी में, कुशल निपुण थे।।



जब वह मंन्मथनाथ गुप्त और,
प्रणवेश जी के संपर्क में आये।
क्रांतिकारी दल के नेता बनाये गये,
स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी कहलाये।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



07/08/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

लाला लाजपत राय

ये महान नेता, क्रांतिकारी
और थे समाज सुधारक भी।
इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक
की स्थापना की।।



लाहौर में साइमन कमीशन का,
इन्होंने विरोध किया।
अंग्रेजी शासन के विरुद्ध,
लड़ते हुए प्राणों का बलिदान दिया।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली, बागपत



2

शहीद भगत सिंह

28 सितम्बर 1907 को,
भगत सिंह ने जन्म लिया।
साहसी स्वतंत्रता सेनानी को,
शहीद ए आजम नाम मिला।।



23 मार्च 1931 लाहौर जेल में,
साथियों संग बलिदान दिया।
इंकलाब जिंदाबाद के नारे से,
देशवासियों को प्रेरित किया।।

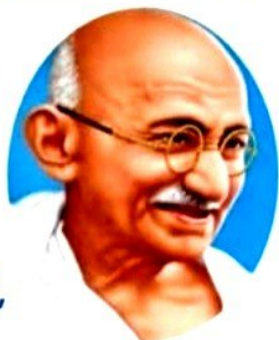
अनुप्रिया यादव (स० अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

बापू जी

सत्य अहिंसा के पथ पर,
जिसने चलना सिखलाया।
बापूजी था नाम उनका,
अहिंसा का पाठ पढ़ाया।।



सादा जीवन उच्च विचार मे,
वह रखते थे विश्वास।
भारत को मिलेगी आजादी,
बापूजी को था पूर्ण विश्वास।।

मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

विवेकानन्द

1863 मे जन्में विवेकानन्द,
रामकृष्ण परमहंस से शिक्षा पाये।
आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त कर,
आध्यात्मिक गुरु कहलाए।।



उठो जागो, तब तक मत रुको,
जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।
युवाओं को जागृत कर,
वेदांत जीवन के दर्शन कराये।।

अमित गोयल (स० अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

ठाकुर दरियांव सिंह

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में,
सन 1857 के महानायक।
जनपद फतेहपुर की शान,
देशभक्ति से मिली पहचान॥



32 दिनों तक अंग्रेजों से,
रखा मुक्त जनपद फतेहपुर।
आपके बलिदान के लिए,
कृतज्ञ है जनपद फतेहपुर॥

रचना- सुमन पाण्डेय (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी मनौटी,
खजुहा, फतेहपुर



2

गणेश शंकर विद्यार्थी

कलम के सच्चे सिपाही,
जिनके में कलम आग था।
अन्याय के विरुद्ध सदा ही,
राय में बेबाक अंदाज था॥



ना सत्ता उन्हें झुका सकी,
ना संकट उन्हें झुका पाया।
सत्य, मानवता का दीप सदा,
गणेश शंकर विद्यार्थी ने जलाया॥

रचना- सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उच्च प्रा० वि० खजनी
रुद्रपुर, गोरखपुर



3

जोधा सिंह अटैया

सन सत्तावन की आग,
जब भड़की चारो ओर।
अंग्रेजों की हुकूमत से,
लड़ने का था दौर॥



युवा जोधा ने उठाया,
तलवार का भार।
गुरिल्ला युद्ध से दी,
दुश्मन को हार॥

रचना- रूपी त्रिपाठी (स०अ०)
उ०प्रा० वि० लोहारी (1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



4

शहीद हिकमत उल्ला खान

भारत माता को आजाद कराने,
निकले हिकमत उल्ला खान।
1857 में डिप्टी कलेक्टर पद को,
किया स्वतंत्रता संग्राम के नाम॥



फतेहपुर की पावन धरती में,
32 दिनों तक स्वतंत्र सरकार चलाई।
12 जुलाई 1857 को अंग्रेजों ने,
फाँसी पर लटका निर्दयता दिखलाई॥

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर



10.08.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

रामप्रसाद बिस्मिल

सरफरोशी की तमन्ना,
सदा जिनके दिल में थी।
मुरीद जिसके हैं सभी,
बात कुछ बिस्मिल में थी॥



काकोरी में बड़ा खजाना,
अंग्रेजों से लूट लिया।
और भारत की स्वतन्त्रता का,
बिगुल वहीं पर फूँक दिया॥

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



2

अशफाक उल्ला खाँ

स्वतन्त्रता संग्राम में कूदे,
भारत आजाद कराने को।
हँसते-हँसते फाँसी चढ़ गये,
मातृभूमि की लाज बचाने को॥



अशफाक उल्ला खाँ जिनका नाम,
काकोरी काण्ड को दिया अंजाम।
बिस्मिल जी के मित्र परम थे,
ऐसे भारत के वीर को प्रणाम॥

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



3

लाला लाजपतराय

पंजाब केसरी से प्रसिद्ध,
लाला लाजपत राय।
गर्म दल के क्रान्तिकारी,
गोरों के छक्के छुड़ाये॥



साइमन कमीशन के विरोध में,
सिर पर लाठियाँ खायी।
लड़ते-लड़ते अंग्रेजों से,
इन्होंने मृत्युगति पायी॥

रचना- भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



4

महात्मा गांधी

गुजरात में जन्मे महात्मा गांधी,
नाम मोहनदास करमचन्द गांधी।
सादा जीवन, अद्भुत ज्ञान,
चरखा उनकी विशेष पहचान॥



सत्य-अहिंसा का पढ़ाया पाठ,
आज भी गांधी को करते हैं याद।
बिना हथियार दिलायी आजादी,
हर भारतीय में नव चेतना जगा दी॥

रचना- सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



बाल साहित्य सृजन

1

भगत सिंह थे वीर जवान,
देश की शान, देश की आन।
पढ़ते थे वो बड़े विचार,
आज़ादी के सपने से प्यार॥

सरदार
भगत सिंह



हँसते-हँसते फाँसी को चूमा,
देश के नाम जीवन सोंपा।
भारत माँ के ऐसे लाल,
कोटि-कोटि नमन, प्रणाम॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



2

क्रांतिकारी अमर सपूत,
सुखदेव थापर पूरा नाम।
फाँसी से जो न घबराये,
शत-शत करें उन्हें प्रणाम॥

सुखदेव



आज़ादी के सुखदेव दिवाने,
अंग्रेज भी इनका लोहा माने।
देश प्रेम इन्हें सबसे प्यारा,
देश के खातिर तन-मन वारा॥

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



3

पुणे, महाराष्ट्र के गाँव में जन्मे,
वीर क्रान्तिकारी महान।
भगतसिंह, सुखदेव संग फाँसी,
चढ़कर देशहित दिया बलिदान॥

राजगुरु



लाजपतराय की मृत्यु का,
अंग्रेजों से बदला लिया।
पुलिस अधिकारी जे०पी० सांडर्स का,
गोली मारकर बध किया॥

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



4

राजपूत परिवार में,
रोशन सिंह का जन्म हुआ।
उत्तर प्रदेश का फतेहगंज,
जन्म स्थान प्रसिद्ध हुआ॥

ठाकुर
रोशन सिंह



भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में,
बड़े-चढ़कर हिस्सा किया।
काकोरी-काण्ड के दौरान,
फाँसी का फन्दा चूम लिया॥

रचना-

उमा ठाकुर
(इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० -राजपुर
मथुरा, मथुरा



बाल साहित्य सृजन

1

खुदीराम बोस

कुछ लोग एक संदेश, एक मशाल जलाने जन्म लेते हैं। अपना कर्तव्य पूरा करके, कम उम्र में ही चले जाते हैं।



खुदीराम बोस सबसे कम उम्र, के शहीद क्रांतिकारियों में एक थे। मुजफ्फरपुर की जेल में 11 अगस्त, 1908 को देश के लिए शहीद हुए थे।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर



2

उधम सिंह

जन्म हुआ था पंजाब में, बचपन से ही संघर्ष भरा जीवन था। जलियांवाला हत्याकांड से, मन उनका द्रवित हुआ था।



भारत के बने महान क्रांतिकारी, माइकल ओ'डायर को गोली मारी। लंदन के जेल में दी गई उनको फांसी, यादों में है उनकी अमर कहानी।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

वीर सावरकर

भारतीय राजनीति व विचारक, वीर सावरकर कहलाते। प्रसिद्ध समाज सुधारक, वीर सावरकर माने जाते।



हिन्दुत्व का विकास किया, पुस्तकों से देशप्रेम को बढ़ावा दिया। 1857 के विद्रोह को भारत का, प्रथम स्वाधीनता संग्राम बताया।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

लाला हरदयाल

गदर पार्टी के संस्थापक लाला हरदयाल महान रहें, प्रदेश में रहकर देश संभाला, ताकि देश आजाद हो सकें।



वंदे मातरम् पत्रिका में योगदान, 13 भाषाओं के अनमोल खदान। कम्प्यूटर संज्ञा इनकी पहचान, हरदयाल भारत के पुत्र महान।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

बाल साहित्य सृजन

1

मैडम भीकाजी कामा

शुरुआती दौर में जुड़ी वो,
हमारे स्वतंत्रता संग्राम से।
पारसी महिला, जानी जाती हैं,
मैडम भीकाजी के नाम से।।



बाहर रहकर उन्होंने अन्तरराष्ट्रीय,
समर्थन देशहित में जुटाया।
पहली क्रांतिकारी बनी जिन्होंने,
जर्मनी में जाकर तिरंगा फहराया।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

सरदार वल्लभ भाई पटेल

सरदार पटेल वीर महान,
भारत की थे सच्ची शान।
देश को एक बनाने आए,
सबको साथ लेकर चल पाए॥



दृढ़ निश्चय था उनकी ताकत,
देशभक्ति थी उनकी आदत।
भारत उनका मान बढ़ाए,
उनकी गाथा सदा सुनाए॥

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

सुभाष चन्द्र बोस

भारत के स्वतन्त्रता रण के,
अग्रिम और बड़े थे नेता।
अंग्रेजों के खिलाफ लड़े वह,
सदा युद्ध में रहे विजेता॥



हिन्द फौज आजाद गठित कर,
खून मुझे दो, दूँ आजादी,
जय हिन्द का नारा देकर के,
बजा बिगुल, हित में आजादी॥

जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झोंसी (उ०प्र०)



4

चन्द्रशेखर आजाद

चन्द्रशेखर आजाद वीर महान,
भारत माँ की थे पहचान।
देशप्रेम उनके मन में था,
आजादी का सपना नयन में था॥



हिम्मत से हर कदम बढ़ाया,
भारत का गौरव खूब बढ़ाया।
उनका साहस अमर रहेगा,
भारत उनको स्मरण करेगा॥

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



14/08/2022

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

बाल गंगाधर तिलक

उन्होंने महाराष्ट्र के रत्नागिरी में,
23 जुलाई 1856 को जन्म हुआ।
कई बार जेल गये व लोकमान्य
की उपाधि से सम्मान हुआ।।

होम रूल लीग की स्थापना का,
लोकमान्य ने उपहार दिया।
स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है,
मैं इसे लेकर रहूँगा, का नारा दिया।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली, बागपत



2

सुभाष चंद्र बोस

23 जनवरी 1897 को,
सुभाष चंद्र बोस जन्मे।
महान स्वतंत्रता सेनानी,
कायस्थ परिवार में जन्मे।।

आजाद हिन्द फौज का,
गठन इन्होंने किया।
झांसी की रानी रेजीमेन्ट,
का भी निर्माण किया।।

अनुप्रिया यादव (स० अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

भगत सिंह

देश प्रेम के रंग में रंगे थे,
वीर स्वतंत्रता सेनानी।
आओ आज सुनाते तुमको,
उनकी अमर अनूठी कहानी।।

नाम था उनका भगत सिंह,
जो थे आजादी के दीवाने।
मातृभूमि पर करे प्राण लुटाए,
भारत माँ के ऐसे परवाने।।

मृदुला वर्मा (स० अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

चंद्रशेखर आजाद

बचपन से ही मन मे,
आजादी का सपना था।
भारत माँ की सेवा करना,
चन्द्रशेखर का सपना था।।

बचपन में जो कसम खाई,
उसे हमेशा याद रखा।
फिरंगियों की बेड़ी तोड़,
खुद को हर पल 'आजाद' रखा।।

अमित गोयल (स० अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

15/08/2026

शनिवार

बाल साहित्य सृजन

1

अशफाक उल्ला खान

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,
काकोरी कांड के प्रदर्शक।
अशफाक उल्ला खान,
स्वतंत्रता के पथ प्रदर्शक।।



22 अक्टूबर 1900 को,
उत्तर प्रदेश में थे जन्मे।
अशफाक 27 वर्ष की आयु में,
हुए शहीद फैजाबाद में।।

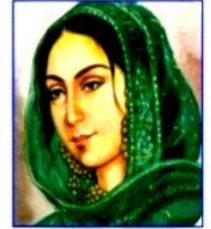
रचना -सुमन पांडेय (प्र०अ०)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी-मनोटी
खजुहा, फतेहपुर



2

बेगम हजरत महल

अवध की धरती पर जिसने,
शौर्य की गाथा लिखी।
अंग्रेजों के सम्मुख जिसने,
वीरता की राह चुनी।।



बेगम हजरत महल का साहस,
युगों-युगों तक गाएगा।
भारत उनका नाम सदा ही,
श्रद्धा से दोहराएगा।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उच्च प्रा० विद्यालय
खजनी (रुद्रपुर), गोरखपुर



3

मौलाना अबुल कलाम आजाद

ज्ञान के दीपक से,
जलाया है अंधेरा।
स्वतंत्रता की राह में,
बढ़ाया है सबेरा।।



भारत के गगन का,
चमकता सितारा।
मौलाना अबुल कलाम,
है ज्ञान की धारा।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



4

मंगल पांडे

1857 क्रांति की चिंगारी,
ज्वाला बनकर भड़की।
बैरकपुर छावनी में अंग्रेजों से,
मंगल पांडे ने बगावत करी।।



कारतूसों पर लगी गाय की चर्बी,
मंगल पांडे को नहीं भायी।
29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी में,
प्रथम स्वतंत्रता की अलख जलायी।।

रचना- प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिक्षा का उत्थान या मर्यादा के लिए खड़ा रहें

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

01582 78400

17.08.2026

बाल साहित्य सृजन

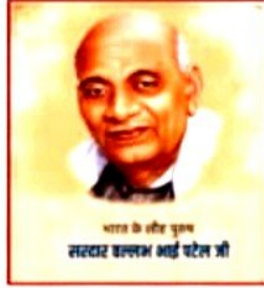
सोमवार

1

सरदार वल्लभभाई पटेल

छोटी-छोटी रियासतों को,
एक सूत्र में पिरोने वाला।
लौह पुरुष नाम प्रचलित,
देशभक्त कहलाने वाला॥

सरदार पटेल नाम है उनका,
अखण्ड भारत निर्माण किया।
कूटनीतिज्ञ, फौलादी शरीर,
एकता का आधार दिया॥



भारत के वीर पुरुष
सरदार वल्लभ भाई पटेल जी

रचना-

सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत

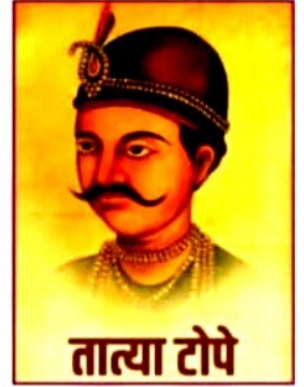


2

तात्या टोपे

रणभेरी जब बजी देश में,
जाग उठा था स्वाभिमान।
प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के,
तात्या टोपे नायक महान॥

रामचन्द्र पाण्डुरंग नाम था,
तात्या टोपे सब कहते थे।
सुनकर जिनका नाम सदा,
फिरंगी डरकर रहते थे॥



तात्या टोपे

रचना-

बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगर क्षेत्र मथुरा, मथुरा



3

रानी लक्ष्मीबाई

आजादी का बिगुल बजा जब,
भर हूँकार वो बोली थी।
मनुबाई वह, लक्ष्मीबाई,
खून की खेली होली थी॥

बेटे को बाँधा था पीठ में,
अंग्रेजों से की तकरार।
झाँसी की रानी कहलायी,
लेकर ढाल और तलवार॥



रचना-

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



4

बाल गंगाधर तिलक

बाल-लाल-पाल में एक,
बाल गंगाधर तिलक था नाम।
पूरा जीवन ही हो गया,
एक स्वतन्त्रता संग्राम॥

लोकमान्य की उपाधि मिली,
दिया स्वराज्य का नारा।
अपने इरादों से हिला दिया,
अंग्रेजी शासन सारा॥



रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



बाल साहित्य सृजन

1

लाला थे वे लाजपत,
प्रान्त केसरी शूर।
अंग्रेजों के गर्व को किया,
विविध विधि चूर॥

लाला
लाजपतराय



उनकी गौरव गाथा गाएँ,
यह कर्तव्य हमारा।
मन से श्रद्धा सुमन चढ़ाएँ,
यह कर्तव्य हमारा॥

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



2

भारत के वीर अमर सपूत, सरदार वल्लभ
लौह पुरुष कहलाए हैं। भाई पटेल
छेड़ा आन्दोलन स्वराज्य का,
अंग्रेजों को झुकाए हैं॥



बारडोली सत्याग्रह में आपने,
किसानों का नेतृत्व किया।
आन्दोलन के बाद महिलाओं ने,
सरदार की उपाधि इन्हें दिया॥

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



3

स्वतन्त्रता-सैनानी, समाज-सुधारक, जय
पिता हर्षुदयाल, फूलरानी माता। प्रकाश
भ्रष्टाचार खिलाफ चलाया आन्दोलन, नारायण
'लोकनायक' भी कहा जाता॥



'भारत छोड़ो आन्दोलन' में,
अंग्रेजों के खिलाफ भाग लिया।
सन् 1999 में मरणोपरांत उन्हें,
'भारत रत्न' सम्मान दिया गया॥

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



4

भारत माँ का वीर सपूत,
भाबरा गाँव में जन्म लिया।
पिता सीताराम तिवारी ने
'चन्द्रशेखर' नाम दिया॥

चन्द्रशेखर
आजाद



स्वतन्त्रता की लड़ाई में,
अनन्यतम प्रतिभाग किया॥
प्रबल क्रान्तिकारी होने से,
'आजाद' उपनाम दिया॥

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० वि० -राजपुर
मथुरा, मथुरा



1

कनकलता बरूआ

असम की धरती पर जन्मी बाला,
कनकलता बरूआ नाम था प्यारा।
बचपन से ही निडरता थी पहचान,
इतिहास में अमर किया अपना नाम॥



कम उम्र में ही शहीद हो गयी,
शहादत की सबको प्रेरणा दे गयी।
अंतिम समय में मुख पर थी मुस्कान,
उस वीरांगना को सबका प्रणाम॥

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



2

प्रफुल्ल चाकी

10 दिसंबर सन 1888 को जन्मे,
प्रफुल्ल चंद्र चाकी।
भारत के थे महान, स्वतंत्रता,
सेनानी एवं क्रांतिकारी॥



खुदीराम के साथ मिलकर,
एक साहसिक कदम उठाया,
महज 19 वर्ष की उम्र में ही,
अंग्रेजों की नींद को उड़ाया॥

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

बाजी रावत

ओडिशा के ढेंकनाल में,
बाजी रावत का जन्म हुआ।
शामिल होकर वानर सेना में,
विद्रोह में अपना योगदान दिया॥



अंग्रेजों का रास्ता रोककर,
अपना साहस उन्हें दिखाया।
सबसे कम उम्र में शहीद होकर,
देश के लिए अपना बलिदान दिया॥

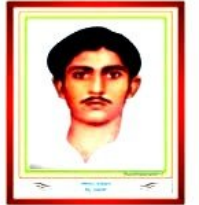
आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

हेमू कालाणी

भारत के सिंध प्रांत का लाल,
कम उम्र के शहीदों में है नाम।
भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया,
अंग्रेजों को भगाने का प्रण लिया॥



पटरी के नट बोल्ट ढीले किये,
पर इस योजना में सफल ना हुए।
अंग्रेजों ने उनको पकड़ लिया,
हँसते हुए देश के लिए शहीद हुए॥

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



आपका दिन
शुभ हो..

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण.
शिकायत या सुझाव के लिए व्हाट्सएप करें. 94582 78429

संकलन
काव्यांजलि टीम
मिशन शिक्षण संवाद

1

दुर्गा भाभी

प्रयागराज में जन्मी क्रांतिकारी,
दुर्गावती देवी नाम है जिनका।
भगत सिंह की युवा समिति में,
सम्मिलित नाम था इनका॥



पिस्तौल चलाना भी सीखा,
जेल भी गयीं, जारी रखा संग्राम।
देश की सेवा के लिये मायके,
ससुराल से खूब किया दान॥

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

महात्मा गाँधी

गाँधी जी थे सरल महान,
सत्य-अहिंसा उनकी शान।
सच्चाई का पाठ पढ़ाया,
सबको प्रेम का मार्ग दिखाया॥



चरखा लेकर आगे आए,
भारत को आजाद कराया।
उनके सपने याद रहें,
हम सच्चाई के साथ चलें॥

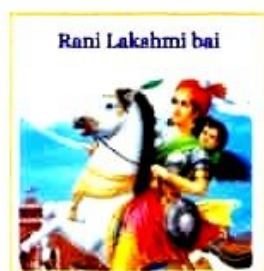
शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

रानी लक्ष्मीबाई

गंगाधर राजा झाँसी के,
उन्हें ब्याही थी रानी।
बड़ी वीर, साहसी उनने,
गोरों को मँगवाया पानी॥



खूब लड़ी वह गोरों के संग,
झुकी नहीं हिम्मत हारी।
लड़ती रही अन्त तक बनकर,
झाँसी की ढाल विकट भारी॥

जुगल किशोर त्रिपाठी (शि०मि०)
प्रा० वि० बम्हरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी (उ०प्रा०)



4

मंगल पाण्डे

गीता, गाय, गंगा की पवित्रता,
आपके तन-मन में थी बसी।
चर्बी युक्त कारतूस ना चलाये,
विद्रोह बिगुल फिर खूब बजी॥



बागी बलिया का, वह शेर दहाड़ा,
अंग्रेजों का कानून तोड़, पुकारा।
भारत माता की जय घोष किये,
फाँसी चढ़ा, हँस कर मंगल प्यारा॥

वन्दना यादव 'गज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



21/08/2026

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

सरोजिनी नायडू

ये स्वतंत्र भारत की पहली,
महिला राज्यपाल रही।
भारत कोकिला के नाम से,
यह स्वतंत्रता सेनानी जानी गई।।



उन्होंने कई कविता संग्रह लिखे,
आजादी की क्रांति में भाग लिया।
महिलाओं के अधिकारों और,
शिक्षा के लिए कार्य किया।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली, बागपत



2

रानी लक्ष्मीबाई

प्रथम स्वाधीनता संग्राम की,
महान वीरांगना लक्ष्मीबाई।
अपने वीर पराक्रम साहस से,
झाँसी की रानी वो कहलायी।।



अंग्रेजों से संघर्ष की कहानी,
आज भी इतिहास बताता है।
देशप्रेम के लिए उनका त्याग,
असाधारण साहस दर्शाता है।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

सुभाष चन्द्र बोस

23 जनवरी 1897 में जन्मे,
वो महान स्वतन्त्रता सेनानी।
सुभाष चन्द्र बोस नाम उनका,
देश प्रेम की लिख दी नयी कहानी।।



‘तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें,
आज़ादी दूंगा’, नारा दिया महान।
आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन कर,
आपने बढ़ाया देश का मान।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

भगत सिंह

28 सितंबर 1907 को जन्म,
भगतसिंह थे देश की शान।
भारत को आजाद कराने में,
हँसकर दिया अपना बलिदान।।



सरदार भगत सिंह

इंकलाब जिंदाबाद का नारा,
मिला शहीद-ए-आजम नाम।
अमर तुम्हारी गौरव गाथा,
गाएगा युग-युग हिंदुस्तान।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



बाल साहित्य सृजन

1

गोपाल कृष्ण गोखले

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी,
थे गोपाल कृष्ण गोखले।
समाज सुधारक विचारक,
समाजसेवी थे गोखले।।



गांधीजी के राजनीतिक गुरु
भारत के ग्लेडस्टोन गोखले
चारित्रिक दृढ़ता थी पसंद,
गोविंद रानाडे इनके गुरु।।

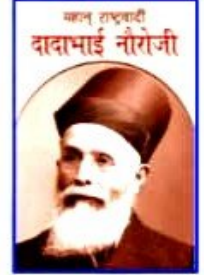
रचना- सुमन पांडेय प्र अ
प्रा० विद्यालय टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर



2

दादा भाई नौरोजी

'ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ इंडिया',
नाम अमर कहलाया।
भारत के स्वाधीन स्वप्न का,
धर्म ध्वजा फहराया।।



भारत-माँ के वीर सपूत,
नौरोजी दादा भाई जी।
'ड्रेन थ्योरी' से सच दिखलाया,
भारत का परचम लहराया।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उच्च प्रा० विद्यालय
खजनी (रुद्रपुर), गोरखपुर



3

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर

बंगाल की धरती पर जन्मा,
एक तेजस्वी सितारा।
ईश्वरचन्द्र विद्यासागर थे,
ज्ञान की अमृत धारा।।



पुरानी कुरीतियों को,
साहस से हटाया।
भारत का गौरव बचाया,
शिक्षा का दीपक जलाया।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



4

राजाराम मोहन राय

भारतीय पुनर्जागरण के अगुवा,
भारत को नई दिशा दिखाई।
समाज सुधारक थे महान,
सती प्रथा की किया विदाई।।



ब्रम्ह समाज की स्थापना कर,
एकेश्वरवाद का प्रचार किया।
बाल विवाह, बहु-विवाह, जातिप्रथा,
जैसी कुरीतियों का अन्त किया।।

रचना - प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर



24.08.2026

बाल साहित्य सृजन

सोमवार

1

दुर्गा भाभी

भगवती चरण बोहरा की पत्नी,
दुर्गावती था नाम ।
देश को आजाद कराने में,
किया क्रान्ति लाने का काम ॥

भगत सिंह संग रेल यात्रा कर,
दुर्गा भाभी का नाम मिला ।
अपना सब न्योछावर कर,
आजादी का कमल खिला ॥



रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



2

डॉ० लक्ष्मी सहगल

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम की,
क्रान्तिकारी थी यह चिंगारी ।
नाम था लक्ष्मी सहगल इनका,
आजाद हिन्द फौज की अधिकारी ॥

आईसी रेजिमेण्ट की कमाण्डर,
समाज सुधारक और निडर ।
देश सेवा में सदैव अर्पित,
किया देश पर लहु समर्पित ॥



रचना-

सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



3

प्रीतिलता वाडेदार

क्रान्तिकारी थी वीर वह,
धावा करती नेतृत्व प्रखर ।
बंगाल प्रान्त की महिला ये,
भोरों से सदा लड़ती डटकर ॥

प्रीतिलता वाडेकर थी ये,
यूरोपीय वलब पर जाकर ।
किया आक्रमण अरु नेतृत्व भी,
सब हुए बहुत खुश इन्हें पाकर ॥



रचना-

जुगल किशोर त्रिपाठी
क० प्रा० वि० बम्हौरी
मऊरानीपुर, झाँसी



4

सरोजनी नायडू

गीत लिखे आजादी के,
विद्रोह की अलख जगाती थी ।
भारत की वह वीर कवयित्री,
देश पर जान लुटाती थी ॥

भारत कोकिला नाम था पाया,
यू० पी० की पहली महिला राज्यपाल ।
नाम सरोजनी नायडू इनका,
कलम से करती खूब कमाल ॥



रचना-

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर



1

सुभाष
चन्द्र बोस

योग्य, भारतीय, देशप्रेमी,
अदम्य-साहसी, कूटनीतिज्ञ।
भारतीय स्वाधीनता के उनके,
प्रयत्नों से सभी अनभिज्ञ।।



आई०सी०एस० की नौकरी छोड़ी,
'आजाद हिन्द फौज' बनायी।
तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा,
देश-भर में आवाज उठायी।।

रचना-

नैमिष शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
मथुरा, मथुरा



2

2 अक्टूबर 1869 को, महात्मा गाँधी
गाँधी जी ने जन्म लिया।

सत्याग्रह आन्दोलन चलाकर,
अंग्रेजों का प्रतिकार किया।।



सत्य-अहिंसा का पालनकर,
स्वतन्त्रता के लिए प्रेरित किया।
ठाकुर रविन्द्र नाथ टैगोर ने,
'महात्मा' उपनाम दिया।।

रचना-

उमा ठाकुर (इ०प्र०अ०)
प्रा० विद्यालय- राजपुर
मथुरा, मथुरा



3

सरोजिनी
नायडू

मीठी कविता गाने वाली,
सबका मन बहलाने वाली।
भारत की कोकिला कहलाई,
महकी हर डाली-डाली।।



अतुल-शक्ति, राष्ट्र-भक्ति थी,
भरी सरोजिनी में भारी।
अति अदम्य साहस वाली,
प्रणाम तुम्हें भारत की नारी।।

रचना-

प्रवीणा दीक्षित (स०अ०)
के०जी०बी०वि०- नगर क्षेत्र
नगरक्षेत्र, कासगंज



4

खुदीराम
बोस

पश्चिम बंगाल में जन्मा,
यह नन्हा वीर जवान।
देश की आजादी खातिर,
हँसते हुए दिया बलिदान।।



एक हाथ में गीता लेकर,
फाँसी को हँसकर अपनाया,
अठ्ठारह साल की उम्र में,
शौर्य का परचम लहराया।।

रचना-

शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौरी
मानिकपुर, चित्रकूट



26/08/2026

बाल साहित्य सृजन

बुधवार

1

चितरंजन दास

सदा देश के लिए काम किया,
सबने इनको देशबंधु नाम दिया,
मानवता, त्याग की मिसाल बने,
सुभाष चंद्र बोस के गुरु बने।

देश सेवा के लिए वकालत छोड़ी,
देशभक्ति इन्होंने कभी ना तोड़ी।
क्रांतिकारियों के लिए संघर्ष किया,
कभी भी बदले में कोई मूल्य ना लिया।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनरूवा
अमौली फतेहपुर



श्री चितरंजन दास जी



2

महादेव गोविंद रानाडे

देश के लिए दिया योगदान,
देशभक्तों में है इनका नाम।
गोपालकृष्ण गोखले के गुरु बने,
इतिहास के पन्नों में यह अमर हुए।

न्यायधीश के रूप में किया काम,
देशभक्तों में अमर किया नाम।
ऐसे सच्चे सपूतों को सबका प्रणाम,
जिनसे रोशन है देश का नाम।।

माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



Mahadev Govind Ranade



3

विपिन चन्द्र पाल

क्रांतिकारी विचारों के जनक,
भारत में यह कहलाते।
लाल-बाल-पाल में से एक,
राष्ट्रवादी नेताओं में यह आते।।

स्वतंत्रता संग्राम के कई क्षेत्रों में,
इनका योगदान झलकता।
गरम विचारों के नेताओं में,
इनका नाम प्रमुखता से आता।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



विपिन चन्द्र पाल जी



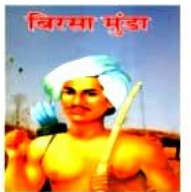
4

बिरसा मुंडा

धरती आबा जिनकी पहचान,
आदिवासी सेनानी थे महान।
अंग्रेजों के खिलाफ छेड़ी जंग,
स्वतंत्रता आंदोलन का एक रंग।।

जमींदारी प्रथा को किया समाप्त,
प्रकृति पूजा हुई हर ओर व्याप्त।
शिक्षा और स्वास्थ्य का किया आगाज,
बिरसा के बलिदान को भारत रखेगा याद।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



बिरसा मुंडा



27/08/2026

बाल साहित्य सृजन

गुरुवार

1

कैप्टन लक्ष्मी सहगल

झाँसी की रानी की रेजिमेन्ट में,
मिला कर्नल, कैप्टन का खिताब।
लक्ष्मी सहगल नाम की डॉक्टर ने,
खूब पढ़ी देशभक्ति की किताब।।



सिंगापुर में भारतीय लोगों के लिये,
एक क्लीनिक स्थापित किया।
इनके संघर्ष और समर्पण के लिये,
इन्हें पद्मविभूषण से सम्मानित किया।।

ज्योति सागर' सना
पी० एम० श्री उ० प्रा० वि० (1-8)
सिसाना, बागपत



2

.बाल गंगाधर तिलक

तिलक जी थे वीर महान,
भारत माँ की ऊँची शान।
देशप्रेम का दीप जलाया,
आजादी का संदेश सुनाया।।



बच्चों में भी जोश जगाया,
भारत का गौरव बढ़ाया।
उनका नारा याद रहेगा,
देश सदा उनको नमन करेगा।।

शिप्रा सिंह (स.अ.)
उ० प्रा० वि० रूसिया,
अमौली, फतेहपुर



3

रामसहाय शर्मा

थे स्वतन्त्रता सेनानी ये,
श्रेष्ठवासियों के ढिंग जाकर।
आजादी की फूंक विगुल, दे,
नारा, झण्डा फहराकर।



देश हमारा, एक धर्म है,
और न कोई इससे ऊपर।
झाँसी का था वीर, बोलता,
था कई-कई मंचों पर जाकर।।

जुगल किशोर त्रिपाठी (शिक्षिमित्र)
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
मऊरानीपुर, झाँसी (उ० प्रा०)



4

लाला लाजपत राय

भारतीय इतिहास में,
चमका एक सितारा।
स्वतन्त्रता संग्राम में,
अर्पित किया जीवन सारा।।



28 जनवरी सन 1865 में जन्में,
पंजाब केसरी कर जनता ने पुकारा।
साइमन कमीशन का विरोध किया,
कांग्रेस गरम दल के बने सहारा।।

वन्दना यादव 'ग़ज़ल'
अभि० प्रा० वि० चन्दवक
डोभी, जौनपुर



28/08/20
26

शुक्रवार

बाल साहित्य सृजन

1

लाला लाजपत राय

ये महान नेता, क्रांतिकारी,
और थे समाज सुधारक भी।
इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक,
की स्थापना की।।



लाहौर में साइमन कमीशन का,
इन्होंने विरोध किया।
अंग्रेजी शासन के विरुद्ध,
लड़ते हुए प्राणों का बलिदान दिया।।

पूनम नैन (स० अ०)
उ० प्रा० कम्पोजिट विद्यालय मुकुंदपुर
छपरौली, बागपत



2

चन्द्रशेखर आजाद

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के,
सेनानी चन्द्रशेखर आजाद थे।
क्रान्तिकारी गतिविधियों के नायक,
युवाओं के प्रेरणास्रोत थे।।



अपना नाम आजाद बताकर,
अपनी निडरता का परिचय दिया।
काकोरी ट्रेन एक्शन काण्ड में,
अपने साथियों का साथ दिया।।

अनुप्रिया यादव (स०अ०)
क० वि० काजीखेड़ा
खजुहा फतेहपुर



3

भगत सिंह

आजादी का स्वप्न देखा जिसने,
वह क्रांतिकारी थे बड़े महान।
भगत सिंह था नाम उनका,
आन्दोलन में फूँक दी जान।।



इंकलाब जिंदाबाद का नारा,
देशवासियों को दिया आपने।
आजादी के लिए नौजवानों में,
देश प्रेम जगाया आपने।।

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
अमरौधा, कानपुर देहात



4

सुभाष चंद्र बोस

कटक भूमि पर जन्मा सुभाष,
भारत माँ का उजियारा था।
आजाद हिन्द फौज बनाकर,
अंग्रेजों से वह टकराया था।।



तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा,
यह नारा लगाया था।
जय हिंद के अमर उद्घोष से,
सोया भारत जगाया था।।

अमित गोयल (स०अ०)
प्रा० वि० निवाडा, बागपत,
जनपद बागपत



बाल साहित्य सृजन

1

सुभाष चन्द्र बोस

आजाद हिन्द फौज का गठन,
द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान किया।
सुभाष चन्द्र बोस ने
स्वतंत्रता संग्राम किया।।



तुम मुझे खून दो,
मैं तुम्हें आजादी दूँगा,
दिल्ली चलो, जय हिन्द,
सभी से बोलूँगा।।

रचना- सुमन पाण्डेय (प्र अ)
प्राथमिक विद्यालय टिकरी- मनौटी
खजुहा, फतेहपुर



2

भीमराव अम्बेडकर

माटी से उठकर जिसने,
इतिहास नया लिख डाला।
ज्ञान-दीप लेकर जिसने,
हर तम को दूर निकाला।।



जिनके मन में था सपना,
सबका हो सम्मान।
उनकी कलम ने दे डाला,
भारत को संविधान।।

सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
कंपोजिट उच्च प्रा० वि० खजनी
(रुद्रपुर), गोरखपुर

3

सरदार बल्लभभाई पटेल

एकता के थे सूत्रधार,
भारत को बनाया एक परिवार।
साहस संकल्प और सेवा के प्रतीक,
लौह पुरुष थे हमारे सरदार।।



अपनी दूरदर्शिता से बचाया देश,
स्टेचू आफ यूनिटी में भी है संदेश।
जाति धर्म से ऊपर उठकर,
सामाजिक सद्भाव का दिया परिवेश।।

रचना- रूपी त्रिपाठी(स०अ०)
उ०प्रा०वि०लोहारी(1-8)
सरवनखेड़ा, कानपुर देहात



4

महात्मा गाँधी

मोहन दास करमचंद गाँधी,
सत्य, अहिंसा के थे पुजारी।
करो या मरो का नारा देकर,
देश को आजादी दिलायी।।



भारत छोड़ो आन्दोलन,
8 अगस्त 1942 में चलाया।
राष्ट्रपिता हैं हम सब जन के,
शान्ति, शिक्षा का महत्व बताया।।

रचना - प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर



30/09/2026

बुधवार

बाल साहित्य सृजन

1

सोलुंग

अरूणाचल प्रदेश में यह त्योहार, अच्छी फसल हेतु मनाया जाता। महिलाओं द्वारा पारम्परिक परिधान, पहनकर लोकनृत्य किया जाता।।



लोग एक दूसरे के घर जाकर मांस, चावल की बीयर को भेंट करते। उत्सव में मनुष्य और प्रकृति से, जुड़े सोलुंग अबुंग गीत गाए जाते।।

इला सिंह(स.अ)
कम्पोजिट विद्यालय पनेरूवा
अमौली फतेहपुर



2

मधु श्रवणी

मधुश्रावणी का पर्व, सावन मास में आता। बिहार और नेपाल के क्षेत्र में, यह मनाया जाता।।



नव विवाहित स्त्रियाँ, करती हैं उपवास। पतिदेव की दीर्घायु के लिए, प्रभु ! से लगाती हैं आश।।

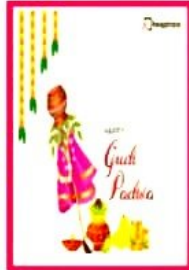
माला सिंह(स०अ०)उच्च
प्रा०वि०-भरौटा(1-8)
ब्लॉक-सरधना
जनपद-मेरठ



3

गुड़ी पड़वा

चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा को, यह पावन त्योहार मनाया जाता। कुछ स्थानों में इस त्योहार को, उगादि नाम से भी जाना जाता।।



गुड़ी को अपने घरों में फहराते, उल्टा कलश उसमें रखते। गुड़ व इमली का प्रसाद बनाते, सुंदर रंगोली से घर को सजाते।।

आरती यादव(स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय रनियां -1
सरवनखेड़ा कानपुर देहात



4

बिहुला

बिहार का पारंपरिक त्योहार, भागलपुर महोत्सव कहलाता। मनसा देवी की आराधना होती, श्रावण भाद्रपद झांकी सजती।।



भक्तेन नृत्य, संगीत शोभा बढ़ाते, पारंपरिक पोशाक में नाचते गाते। बिहार राज्य की संस्कृति पहचान, बिहुला त्योहार भारत की शान।।

नीलम भास्कर (स०अ०)
पी एम श्री उ०प्रा०वि०सिसाना
बागपत, बागपत



31.08.2026

बाल साहित्य सृजन

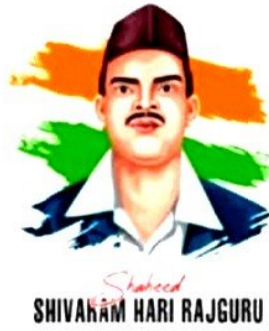
सोमवार

1

राजगुरु

आजादी की लिए देश की,
खुद को कर दिया था कुर्बाना
बाइस साल की उम्र में फाँसी,
चढ़कर पाया शहीद का नाम।

लालाजी की मौत का बदले,
साण्डर्स को मार गिराया।
शिवराम हरि राजगुरु ने,
भारत माँ का कर्ज चुकाया।



Shahid
SHIVARAM HARI RAJGURU

रचना-

शिखा वर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

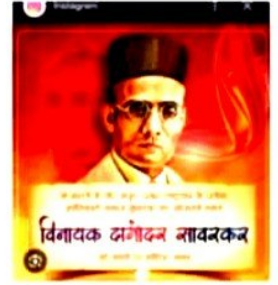


2

वीर सावरकर

महाराष्ट्र में जन्म लिया,
नाम था वीर सावरकर।
'अभिनव भारत' की स्थापना,
भाग लिया था बढ़-चढ़कर।

नासिक केस में हुई सजा,
पचास वर्ष का कारावास रहा,
सेलुलर जेल में रहकर,
कठोर यातनाओं को सहा।



विनायक दामोदर सावरकर

रचना-

भावना शर्मा (स०अ०)
उ० प्रा० वि० नारंगपुर
परीक्षितगढ़, मेरठ



3

बेगम हजरत महल

1857 की क्रांति में,
कूद पड़ी लेने को हिस्सा।
तख्तनऊ से उठी विंगारी,
अवध की बेगम का किरसा।

बेगम हजरत नाम उनका,
अंग्रेजों के खट्टे दाँत किये।
वीरंगना बनी आजादी की,
जुल्म अंग्रेजों के नहीं सहे



रचना-

सीमा शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० निवाड़ा
निवाड़ा, बागपत



4

मंगल पाण्डे

प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के,
थे वो अमर सेनानी।
भारत माता पर शीश चढ़ा,
हो गए महान बलिदानी।

गौ माता की चर्बी वाले,
कारतूसों का किया विरोध।
मार कर अंग्रेज को गोली,
पूरा किया अपना प्रतिशोध।



रचना-

बृजराज सारस्वत (स०अ०)
उ० प्रा० वि० गोपालगढ़ (1-8)
नगरक्षेत्र मथुरा, मथुरा



बाल साहित्य सृजन

रचनाकारों की सूची

- | | |
|----------------------------|---------------------------------|
| 1- बृजराज सारस्वत, मथुरा | 13- जुगल किशोर त्रिपाठी, झाँसी |
| 2- भावना शर्मा, मेरठ | 14- वन्दना यादव, जौनपुर |
| 3- जुगल किशोर, झाँसी | 15- शिप्रा सिंह, फतेहपुर |
| 4- सीमा शर्मा, बागपत | 16- ज्योति सागर, बागपत |
| 5- नैमिष शर्मा, मथुरा | 17- पूनम नैन, बागपत |
| 6- उमा ठाकुर, मथुरा | 18- अमित गोयल, बागपत |
| 7- शहनाज़ बानो, चित्रकूट | 19- अनुप्रिया यादव, फतेहपुर |
| 8- प्रवीणा दीक्षित, कासगंज | 20- मृदुला वर्मा, कानपुर देहात |
| 9- आरती यादव, कानपुर देहात | 21- प्रतिमा उमराव, फतेहपुर |
| 10- इला सिंह, फतेहपुर | 22- सुमन पाण्डेय, फतेहपुर |
| 11- नीलम भास्कर, बागपत | 23- सुषमा त्रिपाठी, गोरखपुर |
| 12- माला सिंह, मेरठ | 24- रूपी त्रिपाठी, कानपुर देहात |

तकनीकी सहयोग

1- नैमिष शर्मा, मथुरा

2- जितेन्द्र कुमार, बागपत

मार्गदर्शक- राजकुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन :- काव्यांजलि दैनिक सृजन टीम